[illegible] संस्कृतिक अपेक्षा

[illegible] के साथ

[illegible]

[illegible] विश्वविद्यालय, [illegible]

[illegible] (एन.सी.ई.आर.टी.) [illegible]

[illegible]

लघुशोध [illegible]

[illegible]

अनुसंधान [illegible]

[illegible]

[illegible] शिक्षण परिषद्)

[illegible], भोपाल

बी.एड्. शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की सामाजिक-सांस्कृतिक रूपरेखा एवं अध्यापन अभिवृत्ति के मध्य संबंध का अध्ययन

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
एम.एड. (आर.आई.ई.) उपाधि की
आंशिक पूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध

2008-2009

①-283

मार्गदर्शक
डॉ. बी. रमेश बाबू,
प्रवाचक, शिक्षा विभाग

अनुसंधान कर्ता
राजगुरू कैलास रामनाथ,
एम. एड्. (आर.आई.ई.)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्)
श्यामला हिल्स, भोपाल

घोषणा पत्र

मैं राजगुरू कैलास रामनाथ, छात्र एम.एड्. (आर.आई.ई.) यह घोषणा करता हूँ कि **"बी.एड्. शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की सामाजिक-सांस्कृतिक रूपरेखा एवं अध्यापन अभिवृत्ति के मध्य संबंध का अध्ययन-"** नामक विषय पर लघुशोध प्रबंध 2008-09 में मेरे द्वारा डॉ.बी. रमेश बाबू, प्रवाचक शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल, के मार्गदर्शन में किया गया हैं।

यह लघुशोध प्रबंध मेरे द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड्. (आर.आई.ई.) 2008-09 की उपाधि परीक्षा के लिए आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

इस शोध में दिये लिये ऑकडे एवं सूचनायें विश्वसनीय स्त्रोतों तथा मूल स्थानों से प्राप्त किये गये हैं तथा ये प्रयास पूर्णतः मौलिक हैं।

27/04/09

शोधकर्ता
राजगुरू कैलास रामनाथ
एम.एड्. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
एन.सी.ई.आर.टी. भोपाल

स्थान- भोपाल

दिनांक- 27/04/09

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल का एम.एड्. (आर.आई.ई.) का छात्र श्री **राजगुरू कैलास रामनाथ** ने मेरे मार्गदर्शन में बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल द्वारा आयोजित सन् 2008–09 की एम.एड्. (आर.आई.ई.) उपाधि परीक्षा की आंशिक पूर्ति हेतु बी.एड्. स्तर पर **"बी.एड्. शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों सामाजिक–सांस्कृतिक रूपरेखा एवं अध्यापन अभिवृत्ति के मध्य संबंध का अध्ययन–"** विषय पर शोध कार्य लगन, निष्ठा एवं पूरी ईमानदारी से किया है। यह लघुशोध प्रबंध इनकी मौलिक कृति है।

स्थान– भोपाल

दिनांक– 27.04.2009

मार्गदर्शक
डॉ. बी. रमेश बाबू,
प्रवाचक, शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

आभार–ज्ञापन

"हृदय हो रहा है नतमस्तक,

मौन रहूँ या व्यक्त करु।

देना है आभार मुझे,

किन–किन शब्दों में व्यक्त करूँ।"

आभार व्यक्त करना कठिन है, आपके अमूल्य सहयोग व मार्गदर्शन के लिए शब्द कम पड़ते है।

सर्वप्रथम मैं अपने मार्गदर्शक डॉ.बी.रमेश बाबू, प्रवक्ता (शिक्षा) क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान का सहृदय से आभारी हूँ, जिन्होनें शोध को प्रतिरूप देने में मार्गदर्शन किया।

प्राचार्य डॉ. आनंद बिहारी सक्सेना, तथा अधिष्ठाता डॉ.विजय कुमार सुनवानी जिन्होंने अमूल्य मार्गदर्शन किया।

शिक्षा विभाग के विभाग प्रमुख डॉ.एस.के. गोयल प्रवक्ता (शिक्षा) तथा डॉ. जी.एन.पी. श्रीवास्तव भूतपुर्व विभाग प्रमुख, शिक्षा विभाग जिन्होने अमूल्य मार्गदर्शन किया।

शिक्षा विभाग के श्री डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण, प्रवक्ता (शिक्षा) तथा श्री संजयकुमार पंडागले, व्याख्याता (शिक्षा) क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान का आभारी हूँ जिन्होनें सांख्यिकीय कार्य में अतुलनीय सहायता की।

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान शिक्षा विभाग के डॉ.एस.के. गुप्ता, डॉ.के.के.खरे, डॉ. एम.यु. पैईली, डॉ. रत्नमाला आर्या, डॉ. सुनिती खरे, डॉ. बासन्सी खारलुखी एवं आदि शिक्षक, जिन्होनें शोध संगोष्ठी के माध्यम से सदैव मार्गदर्शन किया।

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान के पुस्तकालय विभाग के श्री पी.के. त्रिपाठी व समस्त कर्मचारियों को धन्यवाद देता हूँ।

मैं कृतज्ञ हूँ मेरे माता-पिताजी, भाई एवं घर के तथा परिवार के सभी सदस्यों का जिनकी शुभकामनाओं से कार्य में गति मिली।

प्रवरा बी.एड्. महाविद्यालय और संगमनेर बी.एड् महाविद्यालय के प्राचार्य कमशः श्रीमती वाजे मॅडम और डॉ. पाटील सर तथा साथ ही समस्त शिक्षकगण एवं कर्मचारियों के अतुलनीय सहयोग का हृदय से आभारी हूँ। मैं आभारी हूँ तथा धन्यवाद देता हूँ सभी विद्यार्थीगण जिन्होनें धैर्यपूर्ण होकर ऑकड़े के संकलन में सहयोग प्रदान किया।

अततः मैं अपने सभी सहपाठियों का विशेष रूप से आभारी हूँ, जिन्होनें कदम-कदम पर कार्य पूर्ण करने में मुझे प्रोत्साहन तथा सहायता प्रदान की।

27/04/09

शोधकर्ता
राजगुरू कैलास रामनाथ
एम.एड. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
एन.सी.ई.आर.टी. भोपाल

स्थान- भोपाल

दिनांक- 27/04/09

विषय सूची

विषय सूची

पृष्ठ	पृष्ठ क्रमांक
घोषणा पत्र	I
प्रमाण पत्र	II
आभार ज्ञापन	III-IV

अध्याय–प्रथम

शोध परिचय 1–12

1.0	प्रस्तावना–	1
1.1	वैदिक काल में शिक्षक का स्थान और शिक्षा का महत्व	2
1.2	बौद्ध काल में शिक्षक का स्थान और शिक्षा की महत्व	3
1.3	मुस्लिम काल में शिक्षक का स्थान और शिक्षा का महत्व	3
1.4	ब्रिटिश काल में शिक्षा और शिक्षक का स्थान	4
1.5	प्राचीन काल और आधुनिक काल में शिक्षा में बदलाव	5
1.6	शिक्षक और अध्यापन व्यवसाय	5
1.7	शिक्षक अभिवृत्ति	6
1.8	समस्या का कथन	8
1.9	शोधकार्य में प्रयुक्त शब्दावली व अर्थ	8
1.10	शोध के चर	10
1.11	प्रस्तुत शोध अध्ययन की आवश्यकता	10
1.12	समस्या का सीमांकन	11
1.13	शोध के उद्देश्य	11
1.14	शोध की परिकल्पनाएँ	12

अध्याय-द्वितीय

संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन 13-14

2.0	भूमिका	13
2.1	साहित्य के पुनरावलोकन से लाभ	13
2.2	संबधित साहित्य का पुनरावलोकन	14

अध्याय- तृतीय

शोध प्रविधि 24-32

3.0	भूमिका	24
3.1	समस्या का कथन	24
3.2	न्यादर्श का चयन	25
3.3	शोध के चर	27
3.4	लघु शोध संबंधीउपकरण	28
3.5	शोध उपकरणों का प्रशासन एवं फलांकन	31
3.6	प्रस्तुत लघुशोध उपकरण के अंकन की विधि	31
3.7	प्रदत्तों के संकलन में उत्पन्न कठिनाईयाँ	32
3.8	प्रयुक्त सांख्यिकिय प्रविधियाँ	32

अध्याय- चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण, परिणाम एवं व्याख्या 34-45

4.0	भूमिका	34
4.1	परिकल्पना - 1	35
4.2	परिकल्पना - 2	37
4.3	परिकल्पना - 3	40
4.4	परिकल्पना - 4	43
4.5	परिकल्पना - 5	44
4.6	परिकल्पना - 6	45
4.7	परिकल्पना - 7	45

अध्याय- पंचम

शोध सार, निष्कर्ष एवं सुझाव 47-53

5.0	भूमिका	47
5.1	संक्षेपिका	47
5.2	शोध का शीर्षक	48
5.3	शोध के उद्देश्य	48
5.4	शोध कार्य की परिकल्पनाएँ	49
5.5	शोध के चर	49
5.6	शोध समस्या की सीमाएँ	50
5.7	न्यादर्श चयन प्रक्रिया	50
5.8	प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु प्रयुक्त सांख्यिकी	51
5.9	निष्कर्ष एवं सुझाव	51
5.10	भावी शोध हेतु सुझाव	53

❖ संदर्भ ग्रंथ सूची V

❖ परिशिष्ट VI-XII

अध्यापक अभिवृत्ति सूची

तालिका सूची

		पृष्ठ क्र.
3.1.	6 साल की संगमनेर महाविद्यालय की सामाजिक–सांस्कृतिक रूपरेखा।	26
3.2	6 साल की प्रवरा ग्रामीण महाविद्यालय की सामाजिक–सांस्कृति रूपरेखा।	26
3.3	2008–09 साल के दोनों महाविद्यालयों के शिक्षक प्रशिक्षणार्थी	27
3.4	अध्यापक–अभिवृत्ति सूची	30
4.1 (A)	लिंग–संगमनेर बी.एड्. शासकीय महाविद्यालय	35
4.1 (B)	लिंग–प्रवरा ग्रामीण शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय	36
4.2 (A)	जाति–संगमनेर बी.एड्. शासकीय महाविद्यालय	38
4.2 (B)	जाति–प्रवरा ग्रामीण शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय	39
4.3 (A)	क्षेत्र–संगमनेर बी.एड्. शासकीय महाविद्यालय	41
4.3 (B)	क्षेत्र–प्रवरा ग्रामीण शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय	42
4.4	पुरूष–स्त्रीयों की अध्यापन संबधि अभिवृत्ति दर्शानेवाली 'टी' मूल्य की सार्थकता।	43
4.5	ग्रामीण–शहरी शिक्षक प्रशिणार्थियों की अध्ययन संबंधीअभिवृत्ति दर्शानेवाली 'टी' मूल्य की सार्थकता।	44
4.6	वरिष्ठ जाति–कनिष्ठ जाति शिक्षक प्रशिणार्थियों की अध्ययन संबंधीअभिवृत्ति दर्शानेवाली 'टी' मूल्य की सार्थकता।	45
4.7	शासकीय–अशासकीय महाविद्यालय शिक्षक प्रशिणार्थियों की अध्ययन संबंधीअभिवृत्ति दर्शानेवाली 'टी' मूल्य की सार्थकता।	46
5.1	प्रदत्तों का विश्लेषण	51